Skill Development through Modern Techniques of Vegetable Production

The Department of Vegetable Science at the College of Horticulture organized a ten-days training program on "Skill Development through Modern Techniques of Vegetable Production" from November 1st to 10th, 2025, for the university's students. The program was inaugurated on November 1, 2025, by Dr. Ramji Singh, Registrar of the university, in the presence of Dr. R. S. Sengar, Director of Training and Placement. Dr. Satya Prakash, Head of Department and Course Director, extended a formal welcome to the guests. Dr. Bijender Singh, Dean of the College of Horticulture, informed the gathering that, pursuant to the directives of the Honourable Vice-Chancellor, the program was scheduled for Twenty Five students.

This training program comprised twenty lectures addressing Modern Techniques of Vegetable Production. Key topics included Hydroponics, Aeroponics, Vertical Farming, Precision Farming, Grafting Techniques for Vegetables, Remote Sensing and GIS Applications in Horticulture, Climate-Smart Vegetable Production, Protected Cultivation, and Smart Farming utilizing IoT and AI for real-time crop health monitoring, as well as Post-Harvest Management and the Cold Chain for vegetables. These lectures were delivered by scientists from the university and from ICAR Institutes.

Thedeliveredlecturesdetailsaregivenbelow:

Topic
ProtectedCultivationofVegetables(polyhouse,nethouse,lowtunnels)
OrganicVegetableProductionandGAPCertification
Off-seasonvegetable production
PromotionofVegetable ProductionThroughDataVisualization.
SeedlingProductioninPro-traysandPlug-trayNurseries
GraftingTechniquesinVegetableSeedlings(tomato,brinjal,chilli)
HydroponicsandSoillessCulture(cocopeat,perlite,rockwoolsystems)
PrecisionFarmingTechnologies(GPS,GIS,sensors,drones)
HighYielding&HybridVarietiesfor Vegetables
DripIrrigationandFertigationforefficientwaterandnutrientuse
AeroponicsandAquaponicsforhigh-density,urbanfarming
VerticalFarming&Rooftop Vegetable Production
TissueCultureandMicropropagationfor VegetableCrops
IntegratedPestand DiseaseManagement(IPDM)usingeco-friendlyapproaches
WaterandSoilConservationPracticesinVegetableFields(raisedbeds,zerotillage
SmartFarmingwithIoTandAI(real-timecrophealthmonitoring)
ModernTechnologiesforClimateResilientVegetable Production
MechanizationinVegetableProduction(planters,transplanters, harvesters)
Post-harvestManagementand ColdChainforVegetables
Climate-SmartVegetableProduction(drought-tolerantvarieties,microclimatecontrol)

SKILL ENHANCEMENT COURSE
on
Skill Development Through Modern
Techniques of Vegetable Production
Date : 01-10 November 2025
Department of Vegetables Science
College of Horticulture, SVP University of Agriculture and Technology, Meerut

औद्यानिकी महाविद्यालय
COLLEGE OF HORTICULTURE

SKILL ENHANCEMENT COURSE

SKILL ENHANCEMENT COURSE

SKILL ENHANCEMENT COURSE
GPS Map Camera
Baparsa, Uttar Pradesh, India
3mqw+m79, Baparsa, Uttar Pradesh 250221, India
Lat 29.088303° Long 77.694967°
Monday, 10/11/2025 02:57 PM GMT +05:30
Google

The Valedictory and Certification Distribution ceremony was held on November 10, 2025, in the Conference Hall of the College of Horticulture. Dr. Kamal Khiladi, Director of Research, presided as the Chief Guest for the function.

The proceedings commenced with Dr. Bijendra Singh, Dean of the College of Horticulture (COH), welcoming the Chief Guest with a floral bouquet. Subsequently, Dr. Kamal Khiladi conducted a feedback session with the students and distributed the certificates.

Dr. Satya Prakash, the Course Director, acknowledged the contributions of the college faculty: Dr. Vipin Kumar, Dr. Manoj Kumar Singh, Dr. Sunil Kumar, Dr. Shalini Singh, Dr. Damini Mathani, Dr. Anil Shankwar, Dr. Sandeep Kumar, Dr. Akhilash Kumar Pandey, Dr. Ravi Shankar, and Dr. Vikas Singh, who delivered lectures and were instrumental in the successful execution of the program.

The ceremony concluded with a formal vote of thanks delivered by Dr. Manoj Kumar Singh, Professor. The overall arrangements for the training were coordinated by Mrs. Shuchi Gupta and the college staff.

KISAAN JAGRAN

कृषि विश्वविद्यालय में आधुनिक सब्जी उत्पादन तकनीकी 10 दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में डा0 के0 के0 सिंह, माननीय कुलपति जी के निर्देशन में उद्यान महाविद्यालय में आधुनिक सब्जी उत्पादन तकनीकी विषय पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया। सर्वप्रथम डा0 बिजेन्द्र सिंह, अधिष्ठाता उद्यान द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया तथा बताया गया कि इस तरह के प्रशिक्षण से छात्रों के स्किल मे सुधार होता है।

KISAAN JAGRAN

प्रशिक्षण का उद्घाटन डा0 राम. जी. सिंह, कुलसचिव द्वारा करने के उपरान्त अपने सम्बोधन में कहा गया कि गुड़ एगरीकल्चर प्रौक्टीसेज द्वारा सब्जियों के उत्पादन एवं गुणवत्ता में वृद्धि की जा सकती है तथा एग्जोटिक सब्जियों को उगाकर जहां एक ओर किसानों की आय बढ़ायी जा सकती है वहीं दूसरी ओर अधिक पौष्टिकता वाली सब्जियों के उपयोग से स्वास्थ को भी सुधारा जा सकता है। डा एस. सेगर, निदेशक प्रशिक्षण एवं सेवायोजन द्वारा

KISAAN JAGRAN

एस. सेगर, निदेशक प्रशिक्षण एवं सेवायोजन द्वारा कहा गया कि इस तरह के प्रशिक्षण से छात्रों का कौशल सम्वर्धन होता है कौशल सम्वर्धन करने के उपरान्त छात्र स्वरोजगार प्राप्त करने के साथ ही दूसरों को भी रोजगार दे सकते है।

डा0 सत्य प्रकाश, कोर्स निर्देशक द्वारा बताया गया कि आधुनिक सब्जी उत्पादन प्रशिक्षण में सब्जियों की नवीनतम तकनीकी जैसे सब्जियों की ग्राफ्टिंग, बे मौसमी सब्जियों, सरक्षित खेती, हाइडोपोनिक्स, नेक्स, सब्जियों की तुड़ाई उपरान्त प्रबन्ध एवं कोल्ड चेन आदि सहित 20 तकनीकियों का

आधुनिक सब्जी उत्पादन तकनीकी पर प्रशिक्षण शुरू

मोदीपुरम : सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कालेज आफ हार्टिकल्चर में कुलपति डा. केके सिंह के निर्देशन में 10 दिवसीय आधुनिक सब्जी उत्पादन तकनीकी प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। कुलसचिव प्रो. रामजी सिंह ने कहा कि अच्छा एग्रीकल्चर प्रैक्टिस द्वारा सब्जियों के उत्पादन एवं गुणवत्ता में वृद्धि की जा सकती है। साथ ही एक ओर किसानों की आय बढ़ाई जा सकती है, वहीं दूसरी ओर अधिक पौष्टिकता वाली सब्जियों के उपयोग से मानव स्वास्थ्य को भी सुधारा जा सकता है। निदेशक ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट प्रो. आरएस सेंगर ने कहा कि प्रशिक्षण से छात्रों का कौशल संवर्धन होता है। छात्र-छात्राएं आर्गेनिक व प्राकृतिक सब्जी उत्पादन करके वैल्यू चैन को विकसित करते हैं। जहां निश्चित रूप से अच्छा व्यवसाय स्थापित कर सकते हैं। वहीं डा. शालिनी सिंह ने सब्जियों की संरक्षित खेती और बीमा मौसमी खेती पर प्रशिक्षण की जानकारी दी। डा. बृजेंद्र सिंह, डा. मनोज कुमार सिंह, डा. सुनील कुमार आदि ने भी संबोधन किया।

मेरठ | मंगलवार • 11.11.2025

अमर उजाला 05

जैविक सब्जी उत्पादन के महत्व की दी जानकारी

मोदीपुरम। सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विवि के उद्यान महाविद्यालय में आधुनिक सब्जी उत्पादन तकनीकी विषय पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। डॉ. सत्य प्रकाश ने आधुनिक सब्जी उत्पादन में जैविक सब्जी उत्पादन के महत्व के बारे में जानकारी दी। डॉ. कमल ने प्रमाण-पत्र वितरित किए। कुलसचिव डॉ. रामजी सिंह डॉ. आरएस सेंगर, डॉ. बिजेन्द्र सिंह जानकारी दी। संवाद